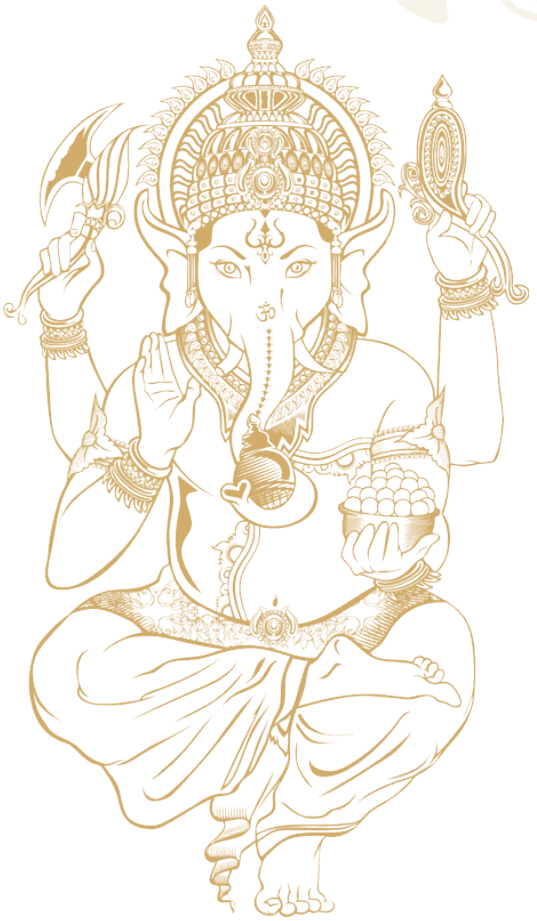

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119383803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/08/1995	जन्म तिथि	25/05/2003
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 22:15:00	जन्म समय	10:40:00 घंटे
घटी 41:12:27	जन्म समय(घटी)	13:03:34 घटी
India	देश	India
Kaithal	स्थान	Delhi
29:47:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:29:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:46:01	सूर्योदय	05:26:01
19:13:28	सूर्यास्त	19:10:19
23:47:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 9मा 1दि		24:07:51	मीन	लग्न	कर्क	20:06:58	शनि 17वर्ष 0मा 26दि	
शुक्र		19:57:36	कर्क	सूर्य	वृष	09:42:12	बुध	
08/05/2010		23:55:09	वृश्चि	चंद्र	मीन	04:41:13	19/06/2020	
08/05/2030		16:01:49	कन्या	मंगल	मक	25:04:22	19/06/2037	
शुक्र	06/09/2013	00:04:07	सिंह	बुध	मेष	18:07:48	बुध	16/11/2022
सूर्य	07/09/2014	11:45:24	वृश्चि	गुरु	कर्क	17:54:38	केतु	13/11/2023
चन्द्र	07/05/2016	16:01:09	कर्क	शुक्र	मेष	16:43:45	शुक्र	13/09/2026
मंगल	08/07/2017	00:09:39	मीन व	शनि	मिथु	04:52:29	सूर्य	20/07/2027
राहु	07/07/2020	06:00:57	तुला व	राहु	वृष	05:33:50	चन्द्र	19/12/2028
गुरु	08/03/2023	06:00:57	मेष व	केतु	वृश्चि	05:33:50	मंगल	16/12/2029
शनि	08/05/2026	04:04:05	मक व	हर्ष	कुंभ	08:51:01	राहु	04/07/2032
बुध	08/03/2029	29:49:26	धनु व	नेप व	मक	19:15:48	गुरु	10/10/2034
केतु	08/05/2030	04:01:08	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:06:53	शनि	19/06/2037

लग्न-चलित

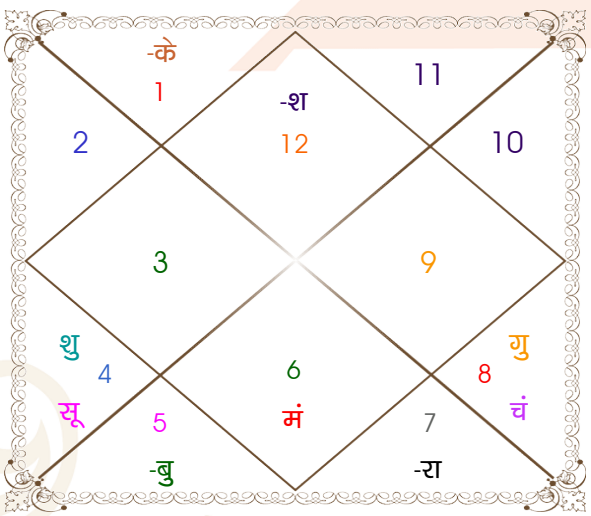

लग्न-चलित

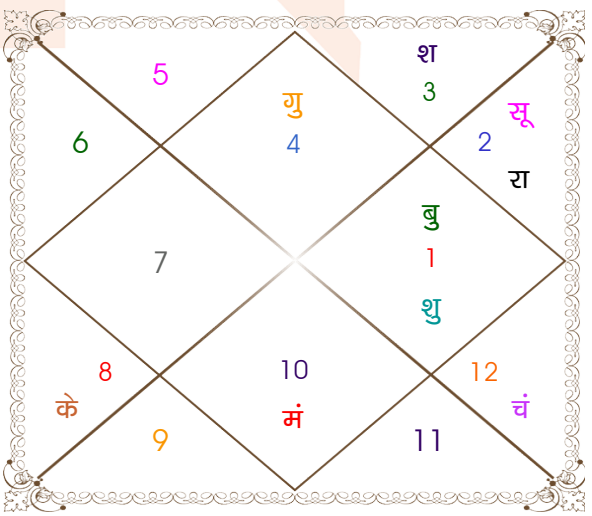

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।